प्रदेश में तैयार हो रहे 528 ऑक्सीजन प्लांट

118

प्लांट तैयार, मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों में पर्याप्त बैकअप

प्रदेश में आक्सीजन प्लांट की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। कोरोना महामारी से पहले 25 ऑक्सीजन प्लांट थे। इसे बढ़ाकर 528 कर दिया गया है। इनमें से 118 प्लांट अब तक तैयार कर लिये गये हैं। अन्य प्लांट का निर्माण कार्य चल रहा है। नतीजतन कोरोना की तीसरी लहर आने पर मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों में मरीजों के लिए ऑक्सीजन की समस्या नहीं रहेगी।

कोरोना की पहली लहर में ऑक्सीजन प्लांट की संख्या को बढ़ाकर 40 कर दिया गया था। हर इकाई से प्रतिदिन करीब 840 जंबो सिलेंडर तैयार किए जाते हैं। दूसरी लहर आने पर मुख्यमंत्री ने सभी मेडिकल कॉलेजों व अन्य अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने के निर्देश थे। इसके तहत पहले जहां सिर्फ 25 आक्सीजन प्लांट थे, उसे बढ़ाकर अब 528 कर दिया गया है। प्रदेश सरकार की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया जा रहा है। स्थापना कार्य की रीयल टाइम निगरानी की योजना बनाई गई है। इसके लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है। वर्तमान में प्रतिदिन करीब 125 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है। जबकि प्रदेश में उपलब्धता एक हजार मीट्रिक टन से अधिक है।

मेडिकल कॉलेजों के अलावा जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण होने से भविष्य में कोरोना जैसी महामारी की स्थिति में सभी अस्पताल ऑक्सीजन के लिए आत्मनिर्भर होंगे। बड़ी संख्या में ऑक्सीजन प्लांट की चेन होने पर जरूरत के मुताबिक एक अस्पताल की ऑक्सीजन को दूसरे अस्पताल तक पहुंचाया जा सकेगा। इससे औद्योगिक इकाइयों से आक्सीजन लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।